

हृदयमात्रां पारे धत्वा समागच्छामि *auf das andere Ufer tragen* Pāṇāt. 226, 14. एते देवास्यः कृत्स्नं त्रैलोक्यं धारयन्ति वै MBu. 3, 2990. (कश्चि-
त्तम्) मुडुर्बलाश्च धारयन्वर्तसे R. Gorr. 2, 109, 46. को मां धर्तुं समर्थः Vrt. 24, 12. (सा माला) धारं हरिमुख्यस्य प्राणान् R. 4, 16, 5. (गावः) धार-
यन्ति प्रजाश्चैव पयसा कृषिषा तथा MBu. 13, 3896. Buāg. 15, 13. अश-
क्नुवन्धारयितुं धैर्यम् *behaupten, bewahren* R. 2, 100, 28. नियमं समुदाचारं
भक्तिं चोत्तमाम् । या धारयति शोकेषु 5, 37, 14. — med.: अतो ज्ञातासौ धा-
रयन्त उर्वी RV. 10, 12, 3. यथा सर्वाणि भूतानि धरा धारयते समम् M. 9, 311.
धारयिष्ये — गगनात्प्रच्युताम् — देवनदीम् MBu. 3, 9948. (चापः) वारु-
कप्यामिश्रान् शरान्धारयते (sic) दश 4, 1332. स्रजश्च नावकप्येत न बहि-
र्धारयति च 13, 5007. 14, 1262. मथनाचलम् । दधे — पृष्ठे Buāg. P. 4, 3, 16.
धारयधं परस्परम् *stützt, helfet euch gegenseitig* MBu. 14, 710. धर्मे स्थि-
तिः परा लभो धर्मो धारयते धृतः R. Gorr. 2, 18, 47. इन्वाकार्यासधर्मान्-
पश्चिन्म । धारयस्व 123, 14. तद्वचोभिर्ममापि — जीवितं धारयेथाः Megh. 112. — pass.: अर्धयमाणां स्रग्विजितामां शुभा न शोभते MBu. 4, 410. पाण्डु-
रेणातपत्रेणा धियमाणेन मूर्धनि 5, 7104. Bhartr. 2, 28. Vikr. 128. Hit. II, 67. मन्त्रिभिर्धारयते राखं सुस्तम्भैरिव मन्दिरम् Pāṇāt. 1, 142. धार्यमाणो
ऽगौ Cat. Br. 3, 5, 23. 3, 9, 2, 30. 4, 1, 14. Çāṅkh. Çr. 3, 13, 21. देहो
हृदिरेषैव धारयते Suçr. 1, 47, 15. यस्मान्नयो ऽप्याश्रमिणा ज्ञानेनात्रेन चा-
न्वहम् । गुरुस्थेनैव धारयते M. 3, 78. यदेतं धारयते जगत् so v. a. besteht
Buāg. 7, 5. वेदाचारविधानेनैवैवैर्विधारयति देवताः MBu. 3, 11293. partic.
praet. pass. धृतं *gehalten, getragen; erhalten* Çiṁshā 43. (वाक्) धृता मन-
सा VS. 4, 17. सोमस्य कलशो धृतः AV. 9, 4, 15. पूयिषो धर्मणा धृताम् 12, 1, 17. 26. 27. मध्ये ते गर्भा धृताः Ait. Br. 3, 10. 31. 35. Cat. Br. 14, 2, 2, 29. वर्षाधृतं वासः Kātj. Çr. 4, 6, 18. M. 4, 66. 9, 200. Suçr. 2, 146, 4. Mṛāṅk. 113, 3. Hit. I. 167. Kir. 5, 9. 15. धृतिकवेणिः Çāṅk. 180. स्वकृस्तधृत-
दण्डमिवातपत्रम् 103. मस्तकात्पत्रं गृहीत्वा कर्णे धृतम् an's Ohr *gehal-*
ten Vrt. 7, 5. fgg. प्रस्थितौ धृतचापौ R. 3, 13, 1. Buāg. P. 1, 9, 37. चिरमा-
त्मना धृताम् — धुम् Ragh. 3, 35. कर्धत Kaurap. 15. तनुधृतेव (उल्का)
Varāṇ. Bh. S. 32, 24. अतस्ते धृता स्यामि तेः MBu. 3, 7230. नित्यधृत
unterhalten (Feuer) Çāṅkh. Çr. 2, 17, 6. उत्तरायो धृतः पूरवर्षः साधभि-
मन्युना । स वै दण्डयस्त्रिचिह्नः पुनर्भवता धृतः || *aufrechterhalten* Buāg. P. 3, 3, 17. धृतः शरीरेण मृतः स जीवति Mṛāṅk. 7, 13. धर्मं *aufrechtge-*
halten, beobachtet R. Gorr. 2, 18, 47. 48. धारितं *gehalten, getragen* Taitt. Ān. 4, 42, 34. गोवर्धना धारितश्च गवार्थं MBu. 3, 4410. कुत्त्या गर्भेण धारितः
im Mutterleibe getragen 3, 1169. महेन्द्रधारितायां धुरि Vikr. 83, 8. = गृही-
त Cat. Br. 9, 2, 2, 9. *aufrechterhalten*: विनोदनशतैरेवंविधैर्धारितं कामा-
र्तम् Vikr. 38. — 2) गर्भम् *eine Leibesfrucht tragen, schwanger sein, —*
werden: ततो धारं सा देवी गर्भम् MBu. 3, 7399. गर्भं भयादधे महेन्द्रम् ।
ऊरुपैकेन 1, 6812. गर्भं धारय R. 1, 38, 12. Buāg. P. 6, 14, 30. तामिर्गर्भः प्र-
जाभूत्यै दधे Ragh. 10, 59. धार्यतामप्रमादेन गर्भो ऽयम् MBu. 1, 1463. धृत-
गर्भो Kathās. 7, 33. Die ältere Sprache braucht in dieser Bed. stets भर, so dass गर्भं धर hier eine andere Bed. hat; vgl. u. 1, 13 und 22, a. — 3) द-
ण्डम् *den Stock tragen* so v. a. *Gewaltmittel gebrauchen, Strafe verhängen*: न तस्मिन्धारयेद्दण्डम् M. 11, 21. R. 6, 16, 65. दण्डं दण्डधरं दधे Buāg. P. 6, 9, 39. दण्डः — धृतः सम्यक् M. 7, 19. राजभिर्धृतदण्डा ये कृत्वा
पापानि मानवाः R. 4, 17, 24. न्यस्तदण्डाय धृतदण्डाय Buāg. P. 3, 14, 34. 4, 7, 2. Eben so दम् धारयति (mit dem loc. der Person) 5, 26, 6. अत्ययीसि

देहो उरुदमो धृतः 4, 18, 41. — 4) आत्मानम्, जीवितम्, प्राणान्, शरीर-
म्, गात्रम्, देहम् *seinen Geist, sein Leben, seine Lebensgeister, seinen Körper tragen, erhalten, fortführen* so v. a. *nicht aufgeben d. i. fortfahren zu leben, am Leben bleiben*: यस्मैतच्छृणुयात्पापं कौशल्या पुत्रवत्स-
ला । नात्मानं धारयेद्यत्तम् R. 6, 82, 119. यदि — धारयिष्यति जीवितम्
R. Schll. 2, 24, 28. Vid. 162. कथंचिज्जीवितं दधे Kathās. 9, 54. मरणं ना-
भ्ययन्ति । धारयामास च प्राणान् MBu. 1, 4319. यावत्प्राणान्धारयिष्यामि R. 1, 22, 5. मां भनयित्वा प्राणान्धारयतु स्वामी Pāṇāt. 70, 21. Sāh. D. 79, 9. Prab. 92, 6. कथंचिद्वार्यमाणप्राणः 69, 1. प्राणोश्चात्रिकवचान्धारयन्ति व-
रिस्त्रियः MBu. 3, 2752. उष्करं कुरुते ऽत्यन्तं क्षीनो यदनया नलः । धारय-
त्यात्मनो देहम् 2674. देहं धारयतो दीनं भर्तृदर्शनकाङ्क्षया 2672. पेलवं धार-
यन्ती — दुःखदुःखेन गात्रम् Megh. 91. अतस्तवोत्पन्नमिदं कलेवरं न धार-
यिष्ये Buāg. P. 4, 4, 18. शरीरमेतद्वतमोदशो दशो धृतं मया तस्य महेत्मनो
गुणैः Mṛāṅk. 108, 10. धृतशरीरं *fortlebend* Sāṅkhu. 67. Auch mit Er-
gänzung von आत्मानम् u. s. w.: यमुनाजलमाश्रित्य संवत्सरमथापरम् ।
उपवासनिराहारा धारयामास MBu. 3, 7348. 14, 2750. pass. in ders. Bed.:
स्त्रीस्वभावेन धार्यसे (könnte auch übersetzt werden: *die Weibernatur er-*
hält dich am Leben, sichert dir dein Leben) R. 5, 23, 28. pass. impers.: न-
रेन्द्रेणा प्राकृतेन न धार्यते *bleibt nicht am Leben* R. 3, 62, 24. Vgl. u. 22,
a. — 5) आत्मानम्, मनस्, मानसम्, मतिम्, चित्तम्, बुद्धिम् *seinen Geist,*
seine Gedanken, seine Aufmerksamkeit fest auf Etwas gerichtet haben:
धारयेत्तत्र चात्मानम् Jāṅ. 3, 201. मनो धारयेताप्रमत्तः Çvrtāçv. Up. 2, 9.
इन्द्रियाणि तु संकृत्य मन आत्मानि धारयेत् MBu. 14, 548. मनः कर्मभिरा-
न्तिष्ठे शुभार्थे धारयेत् Buāg. P. 2, 1, 18. मनो दधे राजसूयाय MBu. 2, 541. म-
न्द्रे पर्वतं गन्तुं मनो दधे Hariv. 8261. 14812. ब्राह्मण्ये धृतमानसः R. Gorr. 1, 37, 25. दधे मतिं विनाशाय राक्षः MBu. 6, 4100. बुद्धे मतिमधारयम् । ब-
धाय शाल्वराजस्य सौभस्य च निपातने || 3, 875. तत्र चित्तमधारयत् Buāg. P. 7, 2, 61. शोत्रयानि सदा बुद्धिर्धियते मे विशेषतः MBu. 3, 2638. Auch mit
Ergänzung von आत्मानम् u. s. w.: अपरस्मै धारयस्व so v. a. *mache dich*
auf etwas Anderes gefasst Cat. Br. 14, 6, 5. धृतं *fest gerichtet auf*
(loc. dat.), von einem Beschluss, Vorhaben, Gelöbniß: तापस्ये धृतसंक्र-
त्या MBu. 3, 7337. तपसे धृतनिश्चयाः 7370. धृतो धनंजयवधे प्रतिज्ञां चा-
पि चक्रिरे 7, 700. मया ह्यलब्धनिन्देणा धृता या तव निर्जये । प्रतिज्ञेयं मया
तीर्णा R. 6, 98, 8. — 6) व्रतम् *ein Gesetz, ein Gelübde in Kraft halten,*
beobachten, sich demselben unterziehen: यस्यां देवा उपस्थे व्रता विश्वे धा-
रयन्ते । सूर्यमासो दृशे कम् RV. 8, 83, 2. व्रतं यदहं धारिष्ये AV. 5, 11, 3. प-
त्नी धारयते व्रतम् Çāṅkh. Gṛh. 2, 17. Buāg. P. 6, 18, 45. संवत्सरं व्रतमि-
दं यद्यज्ञो धारयिष्यास 44. M. 4, 13. Buāg. P. 5, 63. Vgl. धृतव्रत. Aehnlich
mit तपस् *sich Bussübungen hingeben*: चिरं धृतेन तपसा Buāg. P. 2, 9, 19.
धारणां धारयन् *Sammlung des Gemüthes ühend* Jāṅ. 3, 201. धृत्या यया
धारयते मनःप्राणोन्द्रियक्रियाः *üben* Buāg. 18, 33. यया तु धर्मकार्यार्थान्ध-
ृत्या धारयते 34. — 7) तुलया *auf der Wage halten, abwägen*: स्वमासपे-
शीं तुलया धारयन् MBu. 3, 13293. तुलया धारयन्धर्मम् 13, 4828. दुर्धरेणा
तया भावस्तुलया न समं धृतः 11, 35. स्वमासं तुलया धृतम् 3, 10587. 13,
2065. 1, 264. अश्वमेधसकलं च सत्यं च तुलया धृतम् 3095 (= 13, 1544.
3651. R. Gorr. 2, 61, 10. Hit. IV, 129. Mārk. P. 8, 42). कपोततुलया धृतम्
mit der Taube abgewogen, der Taube an Gewicht gleich gemacht 3,
10535. Auch ohne तुलयाः मरुत्वे च गुरुत्वे च धियमाणां यदधिकम् 1, 266.